

13

[This question paper contains 6 printed pages.]



Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5554

Unique Paper Code : 213452

Name of the Paper : Sanskrit Drama and History of Sanskrit Literature (IV-A)

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit Discipline Course

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer all questions.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. खण्ड अ तथा खण्ड ब में से दो-दो पद्य चुनते हुए हिन्दी में अनुवाद कीजिए :
Translate any two choosing from Part A and Part B each :

खण्ड - 'अ'

Part - 'A'

(4+4)

- (i) अन्तर्हिते शशिनि सैव कुमुदवती मे
दृष्टिं न नन्दयति संस्मरणीयशोभा ।
इष्टप्रवासजनितान्यबलाजनस्य
दुःखानि नूनमतिमात्रसुदुःसहानि ॥
- (ii) अस्मान् साधु विचिन्त्य संयमधनानुच्चैः कुलं चात्मन-
स्त्वय्यस्याः कथमप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृत्तिं च ताम् ।
सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमियं दारेषु दृश्या त्वया
भाग्यायत्तमतः परं न खलु तद् वाच्यं वधूबन्धुभिः ॥
- (iii) शमेष्यति मम शोकः कथं नु वत्से त्वया रचितपूर्वम् ।
उटजद्धारविरूढं निवारबलिं विलोकयतः ॥
- (iv) अनुमतगमना शकुन्तला तरुभिरियं वनवासबन्धुभिः ।
परभुतविरुत्तं कलं यथा प्रतिवचनीकृतमेभिरीदृशम् ॥

खण्ड - 'ब'

Part - 'B'

(4+4)

- (i) सत्यधर्मघृणायुक्तो द्यूतविभ्रष्टरचेतनः ।
करोत्यपाङ्गविक्षेपैः शान्तामर्षं वृकोदरम् ॥
- (ii) सुयोधनोऽयं स्वजनावमानं पराक्रमं पश्यति बालिशत्वात् ।
को नाम लोके स्वयमात्मदोषमुदघाटयेन्नष्टघृणः सभासु ॥
- (iii) दातुमर्हसि मद्वाक्याद् राज्यार्धं धृतराष्ट्रज ।
अन्यथा सागरान्तां गां हरिष्यन्ति हि पाण्डवाः ॥
- (iv) किं मेरुमन्दरकुलं परिवर्तयामि
संक्षोभयामि सकलं मकरालयं वा ।
नक्षत्रवंशमखिलं भुवि पातयामि
नाशक्यमस्ति मम देव! तव प्रसादात् ॥

2. खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' में से एक-एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
Explain with reference to the context any one from Part-A
and Part-B each : (7+7)

खण्ड - 'अ'

Part - 'A'

(i) यस्य त्वया व्रणविरोपणमिद्गुदीनाम्
तैलं न्यषिच्यत मुखे कुशसूचिविद्धे ।
श्यामाकमुष्टि परिवर्धितको जहाति
सोऽयं न पुत्रकृतकः पदवीं मृगस्ते ॥

(i) कोऽन्यो हुतवाद् दग्धुं प्रभवति ।

(iii) अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः ।
जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ॥

खण्ड - 'ब'

Part - 'B'

(i) प्रहरति यदि युद्धे मारुतो भीमकर्मा
प्रहरति यदि साक्षात् पार्थरूपेण शक्रः ।
परुषवचनदक्ष! त्वद्वचोभिर्न दास्ये
तृणमपि पितृभुक्ते वीर्यगुप्ते स्वराज्ये ॥

(ii) दुःशासनपरामृष्टा सम्भ्रमोत्फुल्ललोचना ।
राहुवक्त्रान्तरगता चन्द्रलेखेव शोभते ॥

(iii) अनुभूतं महद्दुःखं सम्पूर्णं समयः स च ।

अस्माकमपि धर्म्यं यद् दयाद्यं पद् विभज्यताम् ॥

3. प्रश्न संख्या 1 के खण्ड 'अ' तथा 'ब' के रेखांकित पदों में से किन्हीं पाँच की व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ कीजिए । (5)

Write grammatical notes in any five of the underlined words in Q.No. 1 (a) and 1 (b).

4. (अ) चतुर्थ अंक में दुर्वासा के शाप के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए । (8)

Define 'दुर्वासा के शाप के महत्त्व' in fourth act.

अथवा / Or

'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः' - अभिज्ञानशाकुन्तल विषयक इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

Explain the statement - 'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कः' in the context of Abhigyanashakuntalam.

(ब) भास की नाट्यकला की विवेचना कीजिए । (8)

Explain the dramatic style of Bhasa.

अथवा / Or

एक प्रतिनायक के रूप में दुर्योधन का चरित्र चित्रण कीजिए ।

Write a character sketch of Duryodhana as a villain.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : (2×6=12)

Write short notes on any two of the following :

प्रस्तावना, अपवारित, कञ्चुकी, विदूषक ।

6. संस्कृत नाटकों की विशेषताएँ बताइये । (12)

Explain the features of Sanskrit Drama.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ कीजिए :

Write short notes on any three of the following :

बाणभट्ट, कल्हण, हर्ष, कालिदास, राजतरङ्गिणी, उत्तररामचरितम् ।

This question paper contains 4+1 printed pages]

09/5/17

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 8850

Unique Paper Code : 62131803

Name of the Paper : Sanskrit as MIL A-2 Grammar and
Translation

Name of the Course : B.A. (Prog.)

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *All* questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के संज्ञा विधायक सूत्रों को लिखिए : 6

Write the noun forming *sutras* of any *three* of the following :

इत्, लोप, उदात्त, संयोग, संहिता।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों का सन्धि-विच्छेद कीजिए : 5

Disjoin any *five* of the following words :

यद्यपि, अभ्युदयः, उपेन्द्र, गंगोदकम्, महौषधिः, मैवम्, नायकः, रामोऽस्ति, अग्नेऽत्र, द्वावपि।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में सन्धि कीजिए : 5

Join any *five* of the following words :

देव+ऋषिः, महा+ईशः, सूर्य+उदयः, दधि+अत्र, पौ+अकः, भौ+अनम्, न+एनम्, गंगा+ओघः, वने+अस्मिन्, वटो+अयम्।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पदों का सन्धि-विच्छेद कीजिए : 5

Disjoin any *five* of the following words :

सच्चित्, तट्टीका, वागीशः, एतन्मुरारिः, तच्छिवः, विष्णुस्त्राता, पुना रमते, तिबन्तः।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** में सन्धि कीजिए : 5

Join any *five* of the following words :

रामस्+शेते, रामस्+षष्ठः, तिप्+अन्तः, तत्+टीका, तत्+शिवः, सत्+छात्रः, रामः+हसति, पेष्+ता।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पदों का विग्रह कीजिए : 8

Do the 'Vigraha' of any *four* of the following words :

अधिहरि, सचक्रम्, पंचगंगम्, अध्यात्मम्, यूपदारु, चोरभयम्, राजपुरुषः, अक्षशौण्डः, अब्राह्मणः, कुपुरुषः।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का समस्त पद बनाइये : 8

Make compound of any *four* of the following :

मक्षिकाणाम् अभावः, शक्तिम् अनतिक्रम्य, कृष्णं श्रितः, पंचानां गवां समाहारः, कृष्णश्चासौ सर्पश्च, कुत्सितः पुरुषः, द्वौ च दश च, धर्मश्च अर्थश्च।

8. रेखांकित किन्हीं **पाँच** पदों में विभक्ति का कारण बताइये : 15

Explain the reasons of 'vibhakti' in any *five* of the following underlined words :

- (i) रामः पुस्तकं पठति।

(ii) सः कन्दुकेन क्रीडति।

(iii) गुरवे नमः।

(iv) वृक्षात् पत्रं पतति।

(v) रामः विद्यालये पठति।

(vi) मार्गम् उभयतः वृक्षाः सन्ति।

(vii) नृपः भिक्षुकाय धनं यच्छति।

(viii) महेशः ईश्वरं भजति।

9. किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 10

Translate any five sentences into Sanskrit :

(i) वे भोजन करते हैं।

(ii) मैं गांव जाता हूँ।

(iii) हम दोनों पुस्तक पढ़ेंगे।

(iv) राम और श्याम मैदान में खेलते हैं।

(v) सैनिक देश की रक्षा करते हैं।

(vi) उस गुरु को नमस्कार।

(vii) वह ब्राह्मण को धन देता है।

(viii) देवदत्त गांव गया।

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में लघु निबन्ध लिखिए : 8

Write short essay in Sanskrit on any one of the following :

(क) परोपकारः,

(ख) मम प्रियक्रीडा,

(ग) कालिदासः,

(घ) सत्संगतिः।

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 9095

Unique Paper Code : 62134402

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : B.A. (Programme) Sanskrit

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

All questions are compulsory.

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड से दो-दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

Explain with examples any *two* sutras from each section.

खण्ड अ

(Section A)

तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्। अदर्शनं लोपः। उच्चैः उदात्तः। सुप्तिङन्तं पदम्। 5×2=10

खण्ड ब

(Section B)

एचोऽयवायावः। स्थानेऽन्तरतमः। एङि पररूपम्। सर्वत्र विभाषा गोः। 5×2=10

खण्ड स

(Section C)

साधकतमं करणम्। षष्ठी शेषे। आधरोऽधिकरणम्। प्रातिपदिकार्थ-लिङ्परिमाणवचनमात्रे प्रथमा। 5×2=10

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए : 5

Write the varnas of any *five* pratyaharas of the following :

एच्, झल्, हश्, खय्, हल्, चर्, भश्।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उच्चारण स्थान लिखिए : 3

Write the place of pronunciation of any *three* of the following :

उ, औ, ए, च्, थ्, ग्, श्, इ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार की परिभाषा सोदाहरण दीजिए : 12

Define with example any *four* of the following :

संयोग, आम्रेडित, प्रगृह्य, कर्म, अपादान, इत्।

5. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं पाँच पदों का सूत्रोल्लेखपूर्वक विग्रह कीजिए : 15

Quoting the relevant sutras paraphrase any *five* words of the following :

विष्णवे, गङ्गोदकम्, देवैश्वर्यम्, रामश्चिनोति, उत्थानम्, एतन्मुरारिः, विष्णोऽव, श्रीशः, प्रेजते

6. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रयुक्त विभक्ति का कारण बताइए : 10

Choosing any *five* sentences, explain the reason of the application of the case ending in the underlined words :

(क) छात्राः कन्दुकेन क्रीडन्ति।

- (ख) अम्बा पुत्राय क्रुध्यति।
- (ग) बालकः अश्वात् पतति।
- (घ) गां पयो दोग्धि।
- (ङ) सः पुस्तकाय तत्र गच्छति।
- (च) सूर्याय नमः।
- (छ) हरिं भजति।
- (ज) मोक्षे इच्छाऽस्ति।